एआई तकनीक से होगी 70 औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा

सुरक्षा का माहौल बनाने की कवायद, यूपीसीडा को मिली जिम्मेदारी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार के बाद औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल तैयार करने का जिम्मा यूपीसीडा को दिया गया है। यूपीसीडा 70 औद्योगिक क्षेत्रों के चप्पे-चप्पे को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई) वाले कैमरों से लैस कर रहा है जो आपराधिक गतिविधि होने पर पुलिस को स्वतः अलर्ट करेंगे। इससे आग लगने पर भी सूचना स्वतः फायर स्टेशन पहुंच जाएगी। इस परियोजना पर 235 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

लगवाए जा रहे एआई से लैस सीसीटीवी कैमरे और अग्निशमन प्रणाली

उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने सेफ सिटी की तर्ज पर सेफ औद्योगिक क्षेत्र पर काम शुरु किया है। एआई से लैस सीसीटीवी कैमरे आपराधिक गतिविधि होने पर पुलिस को अलर्ट करेंगे। पुलिस चौकियों का निर्माण भी हो रहा है। इस पहल से औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं, उद्यमियों, कर्मचारियों और श्रमिकों की सुरक्षा का बेहतर प्रबंधन होगा। इन क्षेत्रों में 55 करोड़ से 25 हजार स्ट्रीट लाइटें और 25 करोड़ से 480 हाई मास्ट लाइटें लगाई जा चुकी हैं। 39 औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस चौकियां बन गई हैं। उन्नाव की ट्रांसगंगा हाईटेक सिटी, सहारनपुर के पिलखनी, लखनऊ के सरोजनी नगर में पुलिस चौकी बन रही है। आग की घटनाओं पर तुरंत काबू पाने के लिए 12 अग्निशमन केंद्र बनाए जा रहे हैं। शौचालयों पर 13 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए 2.10 करोड़ से पिंक डॉरमेट्री बनाई जा रही हैं। उन्नाव की ट्रांसगंगा सिटी, एमजी रोड हापुड़, ताला नगरी अलीगढ़ में तीन-तीन प्रवेश द्वार बनेंगे जबकि लखनऊ के चिनहट और बाराबंकी के कुर्सी रोड में भी बनेंगे।

स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी बनेंगे

70 औद्योगिक क्षेत्रों में 14 करोड़ रुपये से सीसीटीवी कैमरे और 2.10 करोड़ से पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए हॉस्टल और कैंटीन भी बनाई जा रही हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी बनेंगे। जैसी मांग होगी वैसा ही प्रशिक्षण मिलेगा। गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर, बरेली, वाराणसी, लखनऊ आदि औद्योगिक क्षेत्रों में क्रेच सेंटर बनाए जा रहे हैं। इन सेंटरों में बच्चों के खेलने, सोने आदि सुविधाएं होंगी। प्राधिकरण औद्योगिक क्षेत्रों में हेल्थ एटीएम भी लगा रहा है।

सेफ औद्योगिक क्षेत्र परियोजना पर तेजी से काम हो रहा है। एआई तकनीक से सुरक्षा की जाएगी। इस परियोजना के तहत दक्ष कार्मिक उपलब्ध कराने के लिए युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। शुद्ध पेयजल, भोजन, हेल्थ चेकअप जैसी सुविधाओं पर भी काम हो रहा है। **-मयूर माहेश्वरी,** मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीसीडा